कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या 1022170

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

B.S.E.R. Z

(परीक्षार्थी ...

नोट :– ... अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी ☐

विषय कृषि विज्ञान

परीक्षा का दिन गुरुवार

दिनांक 21-04-22

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

प्रश्नवार प्राप्तांको की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	09	19	04
2	04	20	04
3	08	21	
4	1.5	22	
5	1.5	23	
6	1.5	24	
7	1.5	25	
8	1.5	26	
9	1.5	27	
10	1.5	28	
11	1.5	29	
12	1.5	30	
13	1.5	31	
14	1.5	योग	56
15	1.5	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	03	अंकों में	शब्दों में
17	03	56	fifty six
18	03		छप्पन

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15¼ को 16, 17½ को 18, 19¾ को 20)

परीक्षक के हस्ताक्षर [signature] 05/22 संकेतांक 37868

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तक के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मेपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 169/2021

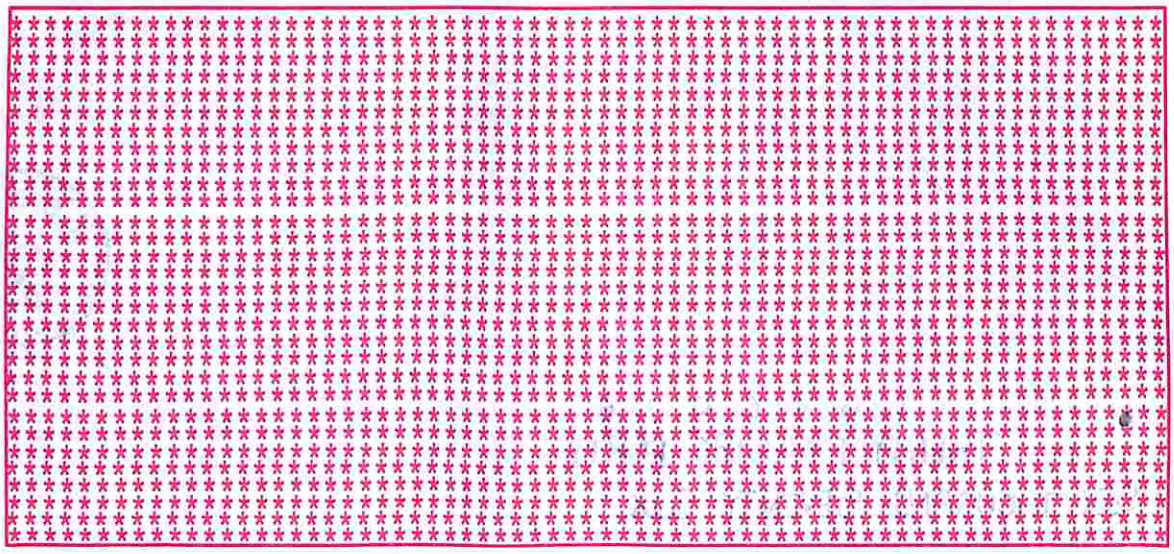

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ भी न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		" खण्ड - अ "
01	1.	(i) जहरबाद
01		(ii) फ्री मार्टिन
01		(iii) मुम्बई
01		(iv) 30 X 30 X 30 सेमी
01		(v) ~~अंगूर~~ नींबू
01		(vi) पपीता
01		(vii) धान
01		(viii) 500 - 800 मि.मी.
01		(ix) 40 - 45 कि.ग्रा.
09 NINE		
01	2.	(i) चयापचयी
01		(ii) अनार
01		(iii) अंगूर
01		(iv) मोठ
04		

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	3.	(i) सरसों की क्रान्तिक अवस्था :-
01		फूल आते समय व फली बनते समय
		(ii) पशुओं में पाये जाने वाले दो बाह्य परजीवी
01		जू, किल्ली, पिस्सु भृंग
		(iii) बीमार पशु का लक्षण :-
01		पशुओं की शारीरिक व मानसिक क्रियाएँ सामान्य रूप से गड़बड़ा जाना।
		पशु जुगाली करना बंद कर देता है।
01		(iv) पपीता का बाग लगाते समय पौधे से पौधे की दूरी
		पौधे से पौधे की दूरी = 3×3 मी.
		(v) दो रासायनिक परिरक्षक पदार्थ :-
01		(i) सोडियम बेन्जोएट
		(ii) पोटेशियम मेटाबाइसल्फाइट

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(vi) मिश्रित फसल :- एक ही ऋतु में एक ही खेत में एक साथ दो या दो से अधिक फसलों को उगाना मिश्रित फसल कहलाता है।

01

(vii) मल्च :- वाष्पीकरण से होने वाली हानि को रोकने के लिए मृदा को जड़, तना, पत्तियो, शाखाओं आदि से ढकना ही मल्च कहलाता है।

01

(viii) विदेशी नस्ल की गाय :- (i) हॉलस्टीन फ्रीजियन

01

08

खण्ड - ब

4. कृषि उत्पादन में शस्य विज्ञान का महत्व.

$1\frac{1}{2}$

कृषि में फसलोत्पादन सबसे महत्वपूर्ण अंग होता है किसी भी राष्ट्र की प्रगति उस राष्ट्र के फसलोत्पादन से होती है विभिन्न फसलो की खेती में शस्य विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका है। खेत की तैयारी, उन्नत किस्मों का चुनाव, बुआई पोषक तत्व जैसे जटिल विषयों का समाधान उचित तरीके से करना भी शस्य विज्ञान के अन्तर्गत आता है अत: कृषि में शस्य विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका है।

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

5. **मृदा उर्वरता :-**
पादप की अनुकूल परिस्थियों में किसी मृदा द्वारा आवश्यक पोषक तत्वों की प्राप्य रूप उचित मात्रा तथा उपयुक्त सन्तुलन प्रदान करने की क्षमता मृदा उर्वरता कहलाती है।

1½

6. **खरपतवार नियंत्रण की यांत्रिक विधि / उपाय :-**

(i) हाथ से उखाड़ना
(ii) पलवार
(iii) जलाना
(iv) मृदा सौरीकरण
(v) गुड़ाई

1½

7. **सापेक्ष खरपतवार :-**
इस वर्ग के अन्तर्गत व खरपतवार आते हैं जिनकी किसान खेत में भी बुआई नहीं करता है तथा व स्वतः उग जाते हैं उसे सापेक्ष खरपतवार कहते हैं।

उदाहरण :- गेहूँ की फसल में चना, सरसो का पौधा सापेक्ष खरपतवार है।

1½

P.T.O

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

8. आदर्श जैली की विशेषताएँ

(i) जैली आकर्षक, पारदर्शी अर्थात् जिस पात्र में रखी जाती है वैसा ही आकार ग्रहण कर लेती है।

(ii) चाकू से काटने पर चमकदार टुकड़ों में विभक्त हो जाती है।

(iii) वास्तविक सुगंध व स्वाद होना चाहिए।

(iv) हिलाने पर धीरे-धीरे हिलती (क्वरलिंग) है परन्तु तिरछी करने पर बहने न लगे।

$1\frac{1}{2}$

9. फल परिरक्षण व्यवसाय के विकास में बाधक समस्याएँ :-

(i) वांछित किस्म की उचित समय पर फल तथा सब्जियाँ उपलब्ध न होना।

(ii) सहायक पदार्थों जैसे, शक्कर, नमक आदि का मंहगा होना।

(iii) ग्रामीण क्षेत्रों की अवहेलना।

(iv) लघुउद्योगों द्वारा विक्रय में कठिनाई आना।

(v) पैकेजिंग सामग्री का अनुपलब्धता व मंहगा होना।

$1\frac{1}{2}$

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

15 राठी नस्ल की विशेषता :-

(i) इस नस्ल के पशुओं का रंग हल्का सफेद, हल्का लाल तथा काले रंग के सफेद धब्बे पाये जाते हैं।

(ii) शरीर मध्यम आकार का ढीला ढाला कान लम्बे सींग छोटे व मोटे तथा गलकम्बल लटकता हुआ तथा पूँछ लम्बी होती है।

(iii) इस नस्ल की पशुओं की गाय का भार 350 - 380 कि.ग्रा व नर का भार 500 - 500 कि.ग्रा होता है।

$1\frac{1}{2}$

BSER-169/2021

31. मुर्रा नस्ल की भैंस :-

उत्पत्ति स्थल - इस नस्ल का मूल उत्पत्ति स्थान पश्चिमी उत्तरप्रदेश है

विशेषताएँ -

(1) इस नस्ल के पशुओं के सींग छोटे चौड़े मुड़े हुए आकर्षक व जलेबी के घेरे से घुड़ीदार मुड़े हुए आकर्षक होते हैं।

(2) इसकी पीठ सीधी तथा त्वचा मुलायम होती है यह विश्व की दुग्ध देने वाली भैंसों की श्रेष्ठ नस्ल है जिसके नर पशुओं का भार

$1\frac{1}{2}$

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

500 - 600 किग्रा तथा मादा पशुओं का भार 500 - 550 किग्रा होता है तथा प्रथम ब्यांत 36 - 48 माह।

12. राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान करनाल (हरियाणा) में स्थित है।

इस संस्थान द्वारा विकसित दो संकर किस्में नस्लें :-

(i) करनफ्रिज
(ii) करनस्विस

1½

13. जाफराबादी भैंस

उत्पत्ति स्थान - इस नस्ल का मूल उत्पत्ति स्थान गुजरात के गिर जंगलों का काठियावाड़ व जाफराबाद क्षेत्र है।

विशेषता :

(i) इस नस्ल के पशुओं का शरीर लम्बा, रंग काला व माथा भारी तथा उठा हुआ होता है।

(ii) इसके सींग गर्दन की तरफ मुड़े हुए तथा सींग के आगे का भाग गोल छल्लेदार होता है। इसके नर पशुओं का भार 500-550 kg व मादा पशुओं का भार 450-500 kg होता है तथा प्रथम ब्यांत 42 - 48 माह में।

1½

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

14. स्वस्थ पशुओं के लक्षण :-

(i) पशुओं की शारीरिक व मानसिक क्रियाएँ सामान्य रूप से चलना।

(ii) शरीर का तापमान, श्वसन गति व नाड़ी गति सामान्य।

(iii) पशु देखने पर चौकन्ने, चमड़ी चमकदार व कान खड़े हुए तथा बाल चमड़ी से लगे हुए होते हैं।

(vi) खाना-पीना व जुगाली सामान्य रूप से करना।

1½

15. खुँरपका - मुँहपका :-

(1) रोगकारक - यह एक वायरस जनित रोग है जिसकी निम्न प्रजातियाँ हैं।

ए, ओ, सी, सेट I, सेट II, सेट III, एशिया सेट आदि।

(2) लक्षण - (i) मुँह में छाले होने से लगातार लार का गिरना अर्थात् चिपचिपाहट की ध्वनि उत्पन्न होना।

(ii) खुरों के बीच छाले होने से पशुओं का लंगड़ाकर चलना।

1½

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

"खण्ड - स"

गोबर की खाद की ट्रैंच विधि

16.

इस विधि से गोबर की खाद बनाने के लिए लम्बाई 6 फीट तथा चौड़ाई 3 फीट रखते है। इसमें गड्ढों की लम्बाई चौड़ाई बढ़ाई जा सकती है परन्तु गहराई नहीं बढ़ाते है इस गड्ढे में पहली परत घास चारे तथा फिर गोबर की खाद भर दी जाती तथा गड्ढे जब भरते-भरते भूतल से ऊँचा आ जाए तो बन्द कर देना चाहिए।
इस विधि की मुख्य विशेषता है एक ही वर्ष एक साथ दो बार अच्छी सड़ी गोबर की खाद तैयार की जा सकती जब तक पहले गड्ढे की खाद सड़कर

05

इस विधि से खाद तैयार करने के लिए गड्ढे की लम्बाई 6 फीट चौड़ाई 3 फीट रखते है तथा इसमें गड्ढे की लम्बाई चौड़ाई बढ़ाई जा सकती है परन्तु गहराई नहीं है इस विधि में गड्ढे के एक भाग में घास फूस सूखा चारा तथा गोबर की खाद भरकर लीप दिया जाता है तथा पुनः दूसरे भाग में भी गड्ढे की भराई की जाती है जब तक पहले गड्ढे की पहले की खाद प्रयोग में लेते है तब दूसरे गड्ढे की खाद सड़कर तैयार हो जाती है तथा इस विधि से एक ही वर्ष दो बार अच्छी सड़ी हुई गोबर की खाद फसलों या पौधों को प्राप्त करायी जा सकती है तथा तीन माह में एक गड्ढे की खाद बनकर तैयार होती है तब तक दूसरे गड्ढे की खाद भी तैयार हो जाती है सड़कर यह गोबर की खाद बनाने की सबसे उपयोगी विधि है।

P.T.O

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

17. गाय की नस्लें

(i) हरियाणा :-

01 उत्पति स्थल :- इस नस्ल का मूल उत्पति स्थान राजस्थान का हरियाणा क्षेत्र है।

उपयोगिता :- इस नस्ल की गाय से 1000-1500 लीटर दुग्ध प्रति ब्यांत प्राप्त होता है तथा बैल कृषि कार्य व गाड़ी खींचने के काम आते हैं।

(ii) नागौरी :-

01 उत्पति स्थल :- इस नस्ल की गाय की गाय राजस्थान के जोधपुर व नागौर जिलों में पाई जाती है तथा यह इसका मूल उत्पति स्थान है।

उपयोगिता :- दुग्ध क्षमता - 600-900 लीटर प्रति ब्यांत तथा बैल कृषि कार्य व गाड़ी खींचने के काम आते हैं।

(iii) जर्सी :-

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
01		(i) उत्पत्ति स्थान :- इस नस्ल की गाय का मूल उत्पत्ति स्थान इंग्लिश चैनल जर्सी द्वीप समूह (इंग्लैण्ड) है।
03		
		(ii) उपयोगिता :- दुग्ध क्षमता - 4000 - 4200 लीटर दुग्ध प्रति ब्यांत व वसा 3-3.5% तथा बैल कृषि कार्य के लिए उपयोगी नहीं हैं।
	18.	अथवा
02		आयताकार विधि :- यह वर्गाकार विधि की तरह ही है परन्तु इसमें पंक्ति से पंक्ति की दूरी पौधे से पौधे की दूरी से चौड़ी कम होती है, तथा दो पंक्तियों के चार पौधे मिलाकर आयत बनाते हैं तथा इसमें बाग सघन नहीं होता है तथा कृषि क्रियाएँ आसानी से की जासकती हैं।
01		
03		
		चित्र - 18.1 आयताकार विधि

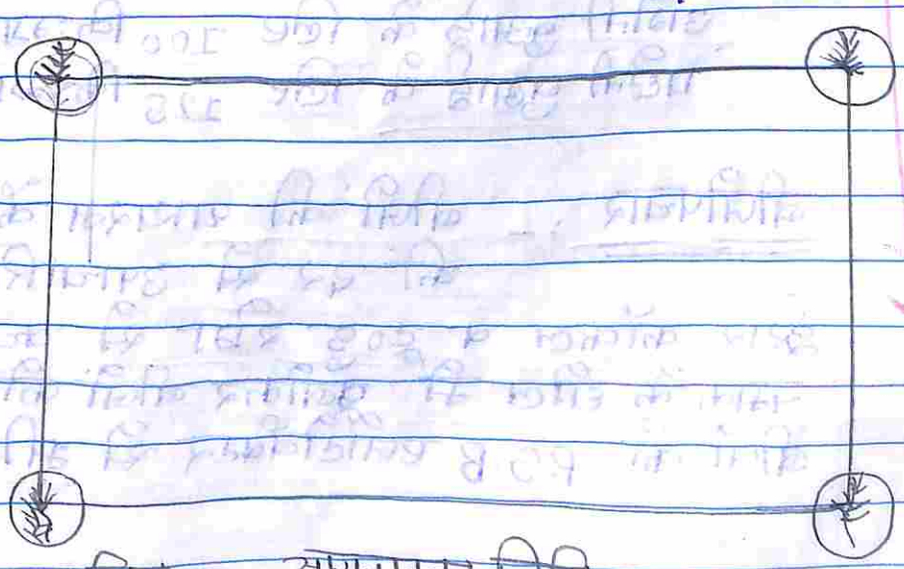

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

"खण्ड-द"

19. गेहूँ की खेती

10

(i) बुवाई का समय व विधि :-

अगेती 15 अक्टूबर से 15 नवम्बर व
पछेती हो सके तो ~~15~~ नवम्बर से 7 दिसम्बर
तक भी की जा सकती है

01

~~विधि कतार से कतार की दूरी = 22.5 व पौधे से पौधे की दूरी 100cm~~
~~अगेती बुआई के लिए बीजदर 100 किग्रा प्रति हेक्टेयर~~
[iii] व
~~पछेती बुआ~~

विधि : कतार से कतार की दूरी RxR = 22.5
पौधे से पौधे की दूरी PxP = 10 cm रखते हैं

(ii) बीज दर बीजोपचार

अगेती बुआई के लिए 100 किग्रा बीज प्रति हेक्टेयर
पछेती बुआई के लिए 125 किग्रा बीज प्रति हेक्टेयर

01

बीजोपचार :- बीजों को थायरम कैप्टान (2gm/kg) की दर से उपचारित करे तथा
ईयर कॉकल व टुण्डु रोग से बचाव के लिए 20% नमक के घोल में डुबोकर बीजों को उपचारित कर लें तथा
बीजों को P.S.B एजोटोबैक्टर से भी उपचारित करें।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

[iii] चार उन्नतशील किस्में :-

01 राज. 4120, राज. 4083, राज. 3077, राज. 3765, HI-617 (सुजाता), WH-147 आदि

[iv] उपज प्रति हेक्टेयर :-

01 उपज 50-60 क्विंटल (QI) प्रति हेक्टेयर

04

अथवा

20.

★ आम ★

BSER-169/2021

[i] भूमि एवं जलवायु -

01 जलवायु - उष्ण व उपोष्ण जलवायु तथा तापमान - 24-27°C सेल्सियस

भूमि - आम के लिए बलुई दोमट व दोमट मृदा सर्वाधिक उपयुक्त है तथा भूमि में 2 मीटर की गहराई तक कोई अवरोध न हो तथा भूमि का pH मान 6.5-7.5 तथा तथा चूना युक्त व ककरीली पथरीली मृदा आम की खेती के लिए उपयुक्त नहीं है।

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

[ii] पादप प्रवर्धन :- आम को बीज व वानस्पतिक विधियों द्वारा प्रवर्धन द्वारा प्रवर्धित किया जा सकता है जिसकी व्यवसायिक किस्में बहुभ्रूणता वाली तथा मूलवृन्त के रूप में उपयोग की जाने वाली किस्में एकलभ्रूणता वाली होती हैं

01

इसको वानस्पतिकविधियों से प्रवर्धित करने की निम्न विधियाँ हैं

[i] वीनियर ग्राफ्टिंग

[ii] साफ्टवुड ग्राफ्टिंग

[iii] एपीकोटील ग्राफ्टिंग

[iv] स्टोन ग्राफ्टिंग

[iii] चार उन्नतशील किस्में :-

01

दशहरी, मल्लिका, आम्रपाली, चौंसा, फजली बॉम्बे (ग्रीन), सरोली।

[iv] पौधे लगाने की विधि :- आम के पौधे वर्षा ऋतु (जून-जुलाई) में लगाने के लिए मई-जून माह में 1×1×1 मीटर आकार के गड्ढे 10×10 मीटर की दूरी पर खोदे जाते हैं तथा गड्ढे खोदकर उन्हें कुछ समय तक खुला छोड़ते हैं तथा उसमें 20-25 kg अच्छी सड़ी हुई गोबर की खाद तथा मिट्टी गड्ढे में भर उसमें सुपर फॉस्फेट 1kg प्रति गड्ढा तथा दीमक व भूमि कीटों से बचाव के लिए क्यूनालफॉस (25 EC) व मिथाइल पैराथियान [1:50] चूर्ण से उपचारित कर देते हैं

01

(04)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

पौधे को गड्ढे के बीच में लगाना चाहिए तथा पौधे सांयकाल को लगाने चाहिए तथा पौधे लगाने के तुरन्त बाद सिंचाई करनी चाहिए।

"समाप्त"

56/56

Fifty Six
छप्पन केवल

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169-2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169 2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-169/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

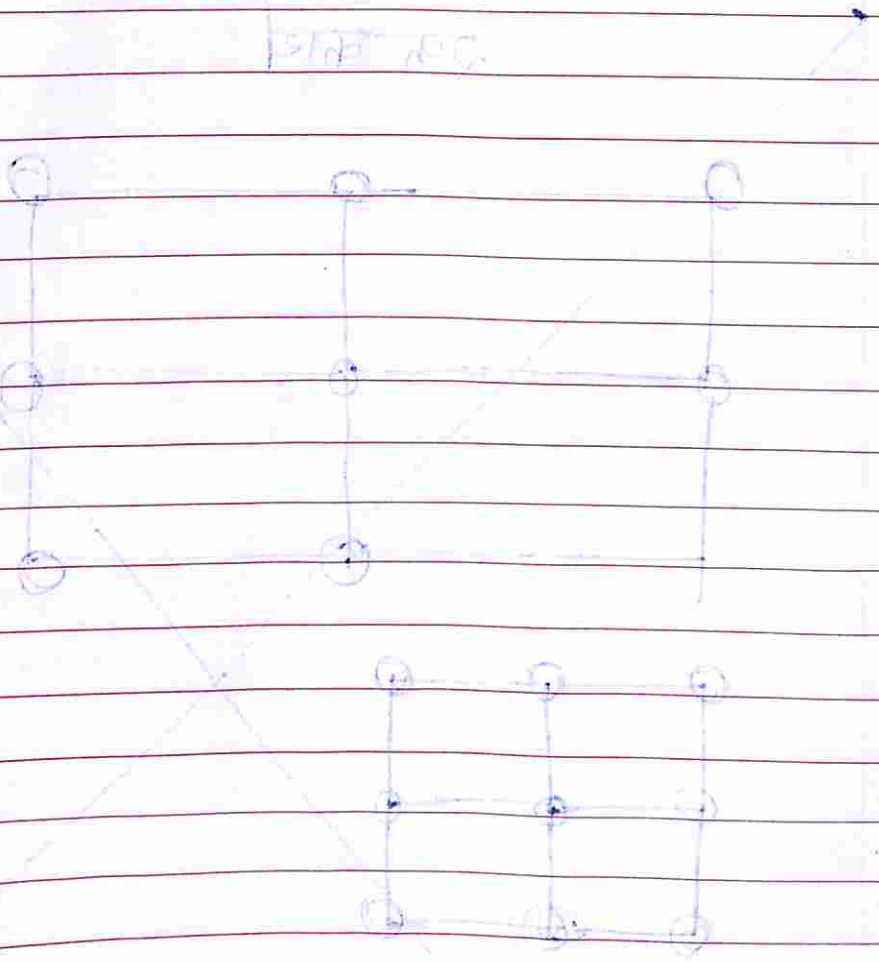

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या.	परीक्षार्थी उत्तर

रफ कार्य

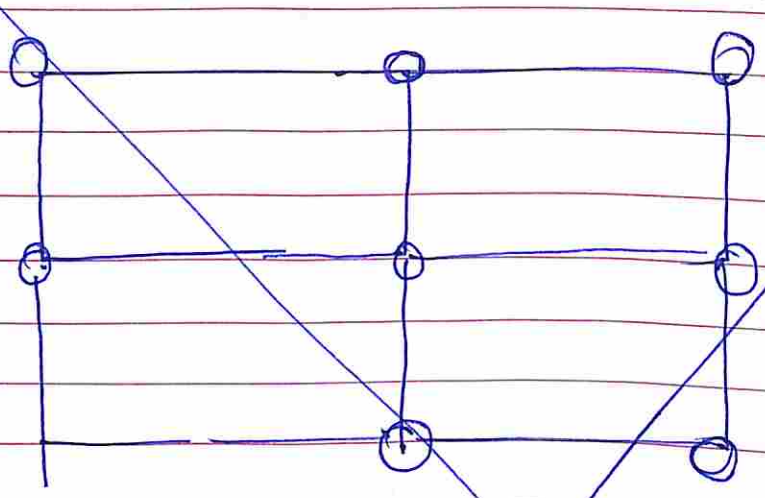

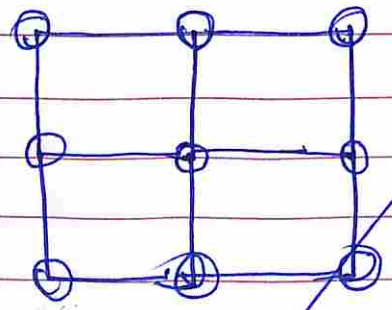

BSER-169/2021